कार्यालय प्राचार्य, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय,जबलपुर–482001(म.प्र.),
कॉलेज विथ पोटेन्शियल फॉर एक्सीलेंस (यू.जी.सी.), उच्च शिक्षा का उत्कृष्टता केन्द्र (म.प्र.शासन), नैक द्वारा 'ए' ग्रेड
☎–0761-2678737 Fax–0761-2621272, E-mail –hegscjab@mp.gov.in, website–http://www.mp.gov.in/higereducation/Jabalpur

जबलपुर, दिनांक–07.12.2021

विद्वत परिषद बैठक सत्र 2021–22
बैठक कार्यवाही विवरण

दिनांक 07.12.2021 को महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक 25 में विद्वत परिषद की बैठक अपरान्ह 2.30 बजे प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में सचिव डॉ. अंजलि बाजपेयी ने अध्यक्ष, विद्वत परिषद के सदस्यों एवं समस्त विभागाध्यक्षों का स्वागत एवं अभिवादन किया एवं अध्यक्ष की अनुमति से बैठक प्रारंभ की गई।

01. कार्य सूची क्रमांक–1
डॉ. अंजलि बाजपेयी ने पिछली बैठक दिनांक 31.12.2020 की कार्यवाही का वाचन किया, जिसका समस्त सदस्यों द्वारा एकमतेन अनुमोदन किया गया।

02. कार्य सूची क्रमांक–2
डॉ. अंजलि बाजपेयी ने सत्र 2020–21 में महाविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति के संक्षिप्त प्रतिवेदन का वाचन किया (संलग्न–01)। बाह्य सदस्यों ने विशिष्ट उपलब्धियों पर प्राचार्य महोदय को बधाई दी, जिनमें से कुछ प्रमुख निम्नानुसार हैः–

- डॉ. एस.के. बाजपेयी प्राध्यापक, रसायन शास्त्र को स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के सर्वेक्षण में विश्व के शीर्ष 01 प्रतिशत पॉलीमर रसायन वैज्ञानिकों में स्थान प्राप्त हुआ है।
- डॉ. एस.के. बाजपेयी एवं मंजुला बाजपेयी का आस्ट्रेलियन पेटेंट स्वीकृत हुआ है।
- डॉ. बी.एस. राठौर की 03, डॉ. तनुजा चौधरी की 01, डॉ.मृदुला सिंह 01 एवं डॉ. प्रीति खरें की 01 पुस्तक का प्रकाशन हुआ है।
- राष्ट्रीय जर्नलों में 13 एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में 35 शोध पत्रों का प्रकाशन किया गया है।
- 20 प्राध्यापक पंजीकृत शोध निर्देशक हैं।
- 09 शोधार्थियों को पी.एचडी उपाधि प्राप्त हुई, 18 ने थीसिस जमा की एवं 20 शोधार्थी पंजीकृत हैं।

03. कार्य सूची क्रमांक–3
महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. कार्तिक घोष ने सत्र 2020–21 के परीक्षा परिणाम प्रस्तुत किये तथा जानकारी दी, कि बी.एससी., बीसीए एवं एम.एससी. के अधिकांश परिणाम 100 प्रतिशत है, किन्तु अत्यल्प संख्या के विद्यार्थियों ने अनेक चेतावनियॉ देने के बाद भी प्रोजेक्ट या उत्तरपुस्तिकाएँ जमा नहीं की, अतः बी.एस–सी प्रथम वर्ष 99.9, बी.सी.ए. प्रथम वर्ष 99.9, एम.एस–सी प्रथम सेमेस्टर रसायन शास्त्र 96.97, भू विज्ञान 95.24, गणित 93.48, प्राणि विज्ञान 92.31 एवं एम.एस–सी तृतीय सेमेस्टर गणित 98.08 प्रतिशत परिणाम प्राप्त हुए।

04. कार्य सूची क्रमांक–4
विभागीय अध्ययन मंडलों द्वारा पारित पाठ्यक्रमों (स्नातक एवं स्नातकोत्तर) का सर्व सम्मति से अनुमोदन किया गया। सभी विभागाध्यक्षों के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. कार्तिक घोष ने

जानकारी दी, कि बी.एस–सी. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एम.एस–सी. के चारों सेमेस्टरों में विगत सत्र के ही पाठ्यक्रम लागू किये गये हैं। बी.एससी. प्रथम वर्ष में मध्यप्रदेश शासन द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत संस्तुत पाठ्यक्रमों के लागू किया गया है। डॉ. एस.एन. बागची द्वारा इस पाठ्यक्रम के विषय में जिज्ञासास्वरूप अनेक प्रश्न किये, जिनका यथोचित उत्तर विभिन्न विभागाध्यक्षों ने दिया।

05. कार्य सूची क्रमांक–5
विभागाध्यक्षों द्वारा विभिन्न विषयों के अध्ययन मंडलों द्वारा प्रस्तावित परीक्षकों की सूची प्रस्तुत की गई, जिनका सभी सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया।

06. कार्य सूची क्रमांक–6
पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. श्रीवास्तव ने सत्र 2022–23 से बी.एस–सी. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु एक नवीन विषय समूह पर्यावरण विज्ञान, रसायन शास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र प्रारम्भ करनें संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. एस.एन. बागची ने पूछा, कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिये सभी विकल्प उपलब्ध है, अतः नवीन विषय समूह प्रस्तावित करने का क्या औचित्य है? डॉ. आर.के. श्रीवास्तव ने कहा, कि इस सत्र में प्रवेश के समय महाविद्यालय के प्रचलित विषय समूहों के अंतर्गत ही ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया की गई थी। अतः यदि आगामी सत्र में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाती है, तो यह विषय समूह भी शामिल किया जाना चाहिये। इस पर सभी विभागाध्यक्षों ने चर्चा की। अंत में डॉ. एस.एन. बागची ने कहा, कि आगामी सत्र की प्रक्रिया के अनुसार प्रवेश के समय तत्संबंधी आवश्यक कार्यवाही की जानी चाहिये।

07. कार्य सूची क्रमांक–7
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में अध्यादेश 14 ए एवं 14 बी के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के संबंध में मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार चर्चा की गई एवं एक मतेन अध्यादेश क्रमांक 14 बी के अनुसार स्नातक स्तर पर वार्षिक पद्धति अंगीकार करने का अनुमोदन किया गया। स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली यथावत जारी रहेगी।

08. आई.क्यू.ए.सी. द्वारा सत्र 2020–21 की ए.क्यू.ए.आर. का रफ ड्राप्ट प्रस्तुत किया गया।

09. सिलेबस पर फीडबैक का परिणाम स्टूडेंट, टीचर एवं एल्युमनाई का क्रमशः 82.47%, 84.10% एवं 79.12% रहा। बैठक में फीडबैक संबंधित एक्शन टेकन रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। विद्यार्थियों का संतुष्टि सवें का प्रतिशत 87.25 रहा।

सभी उपस्थितों को धन्यवाद ज्ञापित करने के उपरान्त अध्यक्ष की अनुमति से बैठक समाप्त की गई।

A Bajpai
सचिव, विद्वत परिषद

प्राचार्य
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)